

1. यह दावा/प्रार्थना पत्र अन्वयित संख्या 53, 188 A+B+C का द्वारा श्री. सुप्रकाश के द्वारा प्रस्तुत हुआ है।
2. कोर्ट फीस का चेक
3. क्षेत्राधिकार का चेक
4. दस्तावेज का चेक
5. वाद का चेक  लोकनार्थ सादर प्रस्तुत है।

श्रीमान अखिल अधिकारी महोदय शाखा लिपिक/रीडर  
 समन जारी कर 18-1-22  
ऑफिस ऑफ RAO

18-1-22 दावा दर्ज राबि० है। प्रतिवादिगण को जखीरे निधि सम्पत्त तलब कर किण्ठ 12-4-22 को पेश है।

23-4-22 परावली आज वकील वती के प्रार्थना पत्र पर पेश हुई। वती की ओर से जे धीरसिंह के कालनाम। मय प्रार्थना पत्र दखा वती विद्वा करे हेर पेश किया। वती वकील के प्रार्थना पत्र सुना गया। प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर दावा वती विद्वा किया जाग है। परावली को सल सुमर दोबर दाखिल करे भण्डार वा क

मुवीन  
पदधान  
हस्ताक्षर